ब्रॉयलर उत्पादन में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम

युवा लोगों को आय के स्रोत के रूप में पशुपालन अपनाने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए राजुवास द्वारा 2 माह की अवधि के कुछ सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों का प्रारूप तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात इच्छुक लाभार्थियों को उन्नत ज्ञान हासिल करने का अवसर प्राप्त होगा। इन सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों का प्रारूप ऐसा है कि यदि कोई भी व्यक्ति इन्हें सफलतापूर्वक पूर्ण कर ले तो स्वयं का फार्म स्थापित करने में सक्षम होगा। वह व्यक्ति जो आठवीं तक शिक्षित हैं, इन पाठ्यक्रमों हेतु नामांकन के लिए पात्र होगा।

1. **पाठ्यक्रम का नाम** – ब्रायलर उत्पादन में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम
2. **उद्देश्य** – निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ इस पाठ्यक्रम का प्रयोजन ऐसे उद्यमियों को विकसित करना है जो वैज्ञानिक दृष्टि से फार्म अथवा इकाई की स्थापना एवं प्रबंधन कर सकें।
   - **अ.** युवा किसानों तथा उद्यमियों की दक्षता वृद्धि
   - **ब.** युवा लोगों को आय के स्रोत के रूप में मुर्गीपालन अपनाने हेतु प्रोत्साहित करना
   - **स.** पशुपालन कार्यक्रम के प्रति युवाओं की रूचि बढाना
   - **द.** प्रतिभागियों को वैज्ञानिक तथा संगठित फार्म से सम्बंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना
3. **प्रवेश योग्यता** – मान्यता प्राप्त बोर्ड द्वारा आठवीं कक्षा उतीर्ण अथवा समकक्ष
4. **समय अवधि** – दो माह
5. **न्यूनतम सीट** – 5 (आवश्यकतानुसार परिवर्तित किया जा सकता है)
6. **शुल्क राशि** – 1000/– रू. प्रतिमाह
7. **पाठयक्रम का माध्यम** – हिन्दी
8. **परीक्षा की विधि** – संबंधित केन्द्रों पर सामान्य परीक्षा लेकर प्रशिक्षणार्थी की योग्यता जांच की जायेगी, सफल प्रशिक्षणार्थी को पाठ्यक्रम समाप्ति पर प्रमाणपत्र वितरित किये जायेंगें।
9. **प्रवेश प्रक्रिया**– विश्वविद्यालय द्वारा समाचार पत्रों, विश्वविद्यालय के प्रकाशनों, धीणे री बात्यां रेडियो कार्यक्रम व विश्वविद्यालय वेबसाइट के माध्यम से इन पाठयक्रमा की सूचना दी जाएगी तथा प्रत्येक पाठ्यक्रम में न्यूनतम पाँच आवेदन प्राप्त होने पर उनका पाठ्यक्रम अनुदेशक से मूल्यांकन करवा कर पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया जायेगा।
10. **अनुशासन नियमावली** – विश्वविद्यालय के नियमानुसार।
11. **संपर्क सूत्र** – प्रो. बंसत बैस, आचार्य, पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी विभाग,
    डॉ. तारा बोथरा, सहायक आचार्य, पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग, वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर मो. 9413792663

12. पाठ्यक्रम – निम्नानुसार

सैद्धांतिक पाठ्यक्रम

1. **ब्रॉयलर चूजों की ब्रूडिंग**–ब्रायलर चूजों की जीवन के प्रारंभिक चरण में देखभाल और प्रबंधन
2. चूजों एवं फिनिशर पक्षियों की फ्लोर स्पेस आवश्यकता, ब्रूडर स्पेस, वाटरिंग स्पेस एवं फीडिंग स्पेस आवश्यकता
3. चूजों का यादृच्छिक तोल और ब्रूडर गार्डों का प्रबंध
4. विभिन्न ब्रूडिंग उपकरण, फीडर एवं वाटरर की व्यवस्था
5. विभिन्न आयु के ब्रायलर हेतु लीटर सामग्री एवं लीटर प्रबंधन
6. चूजों के लिए रोशनी की व्यवस्था
7. ब्रॉयलर चूजों की आहार एंव पोषण आवश्यकताएँ, आहार प्रणालियां–आहार निर्माण, साप्ताहिक वृद्धि दर, आहार रूपांतरण
8. चूजों का जल प्रबंधन
9. अलग–अलग आयु पर ब्रॉयलर का टीकाकरण
10. ब्रॉयलर फार्म पर विभिन्न रिकार्डों का रख–रखाव
11. पक्षियों की हैंडलिंग एवं परिवहन
12. मांस का श्रेणीकरण और संरक्षण विधियां
13. एंटी–मोर्टम जाँच, ब्रायलर ड्रेसिंग
14. मांस स्वच्छता और अनुरक्षण

<u>प्रायोगिक</u>

1. एक दिन के चूजों को तोलना
2. चूजों का आहार एवं जल प्रबंधन
3. ब्रूडिंग उपकरण, ब्रूडिंग व्यवस्था, एक दिन के चूजों को प्राप्ति हेतु कुक्कुटशाला तैयार करना, चूजों का स्थापन्न एवं आराम की देख–रेख
4. ब्रायलर रोशनी के लिए प्रबंधन
5. विभिन्न आयु के ब्रॉयलर हेतु फ्लोर स्पेस आवश्यकता, ब्डर स्पेस, वाटरिंग स्पेस, फीडिंग स्पेस आवश्यकता
6. चूजों का यादृच्छिक तोल
7. विभिन्न आयु के ब्रॉयलर हेतु विभिन्न लीटर सामग्री की गुणवत्ता एवं लीटर प्रबंधन
8. विभिन्न आहार तंत्र स्टार्टर एवं फिनिशर पक्षियों हेतु आहार अपव्यय विधि को छोड़ते हुए
9. चूजों की प्रोसेसिंग– रेडी टू कुक चिकन तैयार करना– रेडी टू कुक चिकन का संवेष्टन, भंडारण और परिवहन